केन्द्रीय विद्यालय संगठन, बेंगलूरु संभाग

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN, BENGALURU REGION

प्रथम पूर्व परिषदीय परीक्षा - 2025-2026

1ST PRE-BOARD EXAMINATION - 2025-2026

कक्षा:XII अधिकतम अंक: 80

विषय-: हिन्दी(आधार) - 302 समय:3 घंटे

सामान्य निर्देश :-

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-

- यह प्रश्न-पत्र तीन खंडों में विभाजित है ।
- खंड-क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड- ख में पाठ्यपुस्तक 'अभिव्यक्ति और माध्यम' से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड- ग में पाठ्यपुस्तक 'आरोह' और 'वितान' से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

प्रश्न संख्या	खंड 'क' अपठित बोध	अंक 18
[1]	**निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**	(10)
	बुद्ध ने हिन्दुओं के सांस्कृतिक तत्वों का उपयोग धर्म के कुछ आचारों को शुद्ध करने के लिए किया, उन्हें नष्ट करने के लिए नहीं, वह अपूर्ण को पूर्ण बनाने के लिए पृथ्वी पर अवतरित हुए। वह हमारे लिए इस देश में समयानुकूल धार्मिक परम्परा का एक अलौकिक प्रतिनिधि माने जाते हैं। उन्होंने भारत भूमि पर अपने अमिट पदचिहन छोड़े। इस देश की सारी रुढियों के बावजूद भी आज देश की आत्मा पर बुद्ध की छाप है। यहाँ उनकी शिक्षा हमारी संस्कृति में समाविष्ट होकर उसका आवश्यक अंग बन गयी है। बुद्ध द्वारा ब्राह्मण और श्रमण एक से माने गये और ये दोनों परम्पराएं धीरे-धीरे घुल मिल गयीं। यही कारण है कि बुद्ध को आधुनिक हिन्दू धर्म का निर्माता माना जाता है। मानव जाति ने बुद्ध के महान चरित्र के रूप में मानो अपने अस्तित्व की सार्थकता को प्राप्त किया है। बुद्ध चाहते थे कि एक नये प्रकार का स्वतंत्र मनुष्य विकसित हो जो सब पूर्व मान्यताओं से स्वतंत्र हो, जो अपना भविष्य स्वयं बनाए, जो अपना दीपक स्वयं बने। आज दुनिया में सभी मामलों में जो अव्यवस्था जान	

	पड़ती है, वह मनुष्यों की आत्मा के भीतर की अव्यवस्था की प्रतीक है, विभिन्न देशों एवं काल खंडों में खंडित मानवता का दुष्परिणाम है। आज का मानव एक प्रकार की आत्मिक थकान वैयक्तिक एवं सामूहिक अहम भाव की वृद्धि से पीड़ित है। बुद्ध ने स्पष्ट किया है कि शांति के लिए आंतरिक सामंजस्य और आत्मिक संतुलन आवश्यक है। जो आत्मा संतुलित है, स्वतंत्र है, वह अपने प्रेम पर कोई बंधन नहीं लगाती वह मानव मात्र में एक दैवीय स्फुलिंग देखती है और मानव जाति के कल्याण के लिए आत्मार्पण करने को प्रस्तुत रहती है। यह पापाचरण एवं अन्य सब प्रकार के भय समूह से मुक्त रहती है।	
(क)	गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए ? I. महात्मा बुद्ध II. मानव कल्याण III. दैवीय स्फुलिंग IV. आत्मिक संतुलन	1
(ख)	बुद्ध ने किस धर्म के तत्वों का उपयोग किया? I. हिन्दू II. बौद्ध III. जैन IV.इस्लाम	1
(ग)	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये- 1 कथन -1 -आत्मा के भीतर की अव्यवस्था से दुनिया में अव्यवस्था है। कथन -2 - आत्मा सम्बंधित वार्ता विशिष्ट जनों से सम्बंधित है। कथन -3 -आंतरिक सामंजस्य और आत्मिक संतुलन दोनों महत्वपूर्ण हैं । कथन -4 -केवल आंतरिक सामंजस्य आवश्यक है। गद्यांश के अनुसार कौन सा कथन सही है? I. केवल कथन 1 और 3 सही है। II. केवल कथन 2 सही है। III. केवल कथन 3 एवं 4 सही है। IV. सभी कथन सही हैं	1
(घ)	बुद्ध को किसका निर्माता कहा गया है?	1
(ङ)	बुद्ध किस प्रकार का मनुष्य विकसित करना चाहते थे और क्यों?	2
(च)	दुनिया में अव्यवस्था फैलने का क्या क्या मूल कारण है?	2
(छ)	बुद्ध शांति के लिए क्या-क्या चीजें जरूरी मानते हैं?	2
2.	**निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सबसे सटीक विकल्प चुनकर लिखिए :-**	**(08)**
	माँ मेरे अकेलेपन के बारे में सोच रही है। पानी गिर नहीं रहा पर, गिर सकता है किसी भी समय मुझे बाहर जाना है और माँ चुप है कि मुझे बाहर जाना है। यह तय है कि मैं बाहर जाऊँगा तो माँ को भूल जाऊँगा	

	जैसे मैं भूल जाऊँगा उसकी कटोरी उसका गिलास वह सफेद साड़ी जिसमें काली किनारी है मैं एकदम भूल जाऊँगा जिसे इस समूची दुनिया में माँ और सिर्फ़ मेरी माँ पहनती है उसके बाद सरदियाँ आ जाएँगी और मैंने देखा है कि सरदियाँ जब भी आती हैं तो माँ थोड़ा और झुक जाती है अपनी परछाईं की तरफ ऊन के बारे में उसके विचार बहुत सख्त हैं मृत्यु के बारे में बेहद कोमल पक्षियों के बारे में वह कभी कुछ नहीं कहती हालाँकि नींद में वह खुद एक पक्षी की तरह लगती है जब वह बहुत ज़्यादा थक जाती है तो उठा लेती है सुई और तागा मैंने देखा है कि जब सब सो जाते हैं तो सुई चलाने वाले उसके हाथ देर रात तक समय को धीरे-धीरे सिलते हैं। जैसे वह मेरा फटा हुआ कुरता हो पिछले साठ बरसों से एक सुई और तागे के बीच दबी हुई है माँ हालाँकि वह खुद एक करघा है जिस पर साठ बरस बुने गए हैं। धीरे-धीरे तह पर तह खूब मोटे और गझिन और खुरदरे साठ बरस	
(क)	प्रस्तुत कविता का मूल भाव है — I. प्रगति के लिए रिश्तों में आए बिखराव की पीड़ा II. सुविधा के लिए रिश्तों में आए बिखराव की पीड़ा III. पौराणिक जीवन की विवशता	1

	IV. अपनों से बिछुड़ने की विवशता	
(ख)	माँ की चुप्पी के कारण के विषय में कौन-सा कथन सत्य है? कथन (a) बेटे का अजनबी प्रदेश में जाना कथन (b) अजनबी प्रदेश में बेटे का अकेलापन कथन (c) बेटे का उससे बिछड़कर दूर जाना कथन (d) अपने अकेलेपन की चिंता विकल्प I. (a) और)b) सही है। II. (a) (b) और)c) सही है। III. (a) और)d) सही है। IV. केवल)d) सही है।	1
(ग)	'पानी गिरा नहीं पर गिर सकता है किसी भी समय' का आशय है— I. किसी भी समय वर्षा हो सकती है। II. माँ की आँखों से कभी भी आँसू गिर सकते हैं। III. माँ के सब्र का बाँध कभी भी टूट सकता है। IV. माँ की हिम्मत कभी भी ज़वाब दे सकती है।	1
(घ)	सर्दी आते ही माँ की क्या स्थिति हो जाती है?	1
(ङ)	कवि की चिंता का मुख्य कारण क्या है?	2
(च)	माँ सुई और तागे से क्या सिलने का प्रयास कर रही है?	2
प्रश्न संख्या	**खंड 'ख'(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)**	**अंक 22**
3.	**दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर 120 शब्दों में एक रचनात्मक लेख लिखिए।** क. पटाखे बिन दिवाली ख. खाली जेब बाज़ार में एक दिन ग. सालों बाद मेट्रो में मिला मित्र	**01x06=6**
4.	**निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में दीजिए।**	**04x02=08**
(क)	जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम कौन-सा है? उसकी कौन-कौन सी विशेषताएँ हैं?	
(ख)	कहानी के नाट्य रूपांतरण में संवादों का क्या महत्त्व है? स्पष्ट कीजिए।	
(ग)	समाचार पत्र को पाठकों तक पहुँचाने के कौन-कौन से चरण होते हैं? समाचार पत्र में आपका पसंदीदा अंश कौन-सा है और क्यों?	
(घ)	फ़ीचर लेखन क्या है? समाचार लेखन से फ़ीचर लेखन किस प्रकार भिन्न है?	
(ङ)	रटंत ज्ञान क्या है ? इसके क्या नुकसान हो सकते हैं?	

5.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 80 शब्दों में दीजिए।**	**02x04=08**
(क)	नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन के संदर्भ में 'मैं' शैली के प्रयोग के बारे में कौन-सी मान्यता है? लिखिए।	
(ख)	साहित्यिक और पत्रकारीय लेखन में क्या अंतर है? समझाकर लिखिए।	
(ग)	साक्षात्कार लिखते समय किन बातों का ख्याल रखना आवश्यक है?	
प्रश्न संख्या	**खंड 'ग' (पाठ्यपुस्तक आरोह एवं वितान पर आधारित प्रश्न)**	**अंक (40)**
6.	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक सटीक विकल्प चुनिए।**	**05x01=05**
	मैं जग - जीवन का भार लिए फिरता हूँ, फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ; कर दिया किसी ने झंकृत जिनको छूकर मैं साँसों के दो तार लिए फिरता हूँ ! मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ, में कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते, मैं अपने मन का गान किया करता हूँ !	
(क)	आत्मपरिचय कविता में कवि ने अपना किस प्रकार का परिचय दिया है? I. वैचारिक व भावात्मक II. वर्णनात्मक III. उपदेशात्मक IV. इनमें से कोई नहीं	
(ख)	जग-जीवन का भार लिए फिरने से कवि का क्या आशय है? I. सांसारिक समस्याओं के प्रति कर्तव्य बोध II. व्यक्तिगत समस्याएँ व सांसारिक बोझ III. सांसारिक दायित्वों का निर्वाह करना IV. I और iii दोनों	
(ग)	कवि को किसने झंकृत किया होगा ? I. प्रेयसी ने II. परायों ने III. दुश्मनों ने IV. कुरीतियों ने	
(घ)	निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। कथन: (A) कवि दुनिया में दुनियादारी को निभाते हुए जीवनयापन कर रहा है। कारण: (R) कवि दुनियादारी को निभाते हुए प्रेम में डूबा रहता है।	

	विकल्प कथन (A) सही है तथा कारण (R) गलत है । कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है। कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता। कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।	
(ङ)	निम्नलिखित में से सही कथन का विकल्प चुनकर लिखिए। कथन (a) कवि जग की बात न कहकर अपने मन की ही बात करता है। कथन (b) कवि संसार के दायित्व के भार को समझता है, वह दायित्व के प्रति सचेत है । कथन (c) संसार उसी को पूछता है जो उनके अनुकूल बात करे कथन (d) जग की बात करने वाले सदा संसार की प्रशंसा चाहते हैं। विकल्प I. कथन (a) और (b) सही है। II. कथन (b) और (c) सही है । III. कथन (a) (b) और (c) सही है। IV. कथन (a) और (d) सही है।	
7.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर 60 शब्दों में लिखिए।**	**02x03=06**
(क)	कवि या कविता की उड़ान और चिड़िया की उड़ान में क्या अंतर है? कविता के बहाने कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।	
(ख)	किसी के दुख-दर्द और वेदना को बेचकर कारोबार चलाना और उसकी पीड़ा का मजाक उड़ाना नैतिकता का पतन और मानवीय मूल्यों का हनन है। इस कथन की पुष्टि 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के संदर्भ में कीजिए।	
(ग)	निराला के लिए 'बादल' एक प्रिय विषय रहा है। बादल के प्रतीकों का भलि-भाँति इस्तेमाल करते हैं। बादल का प्रतीकात्मकता स्पष्ट करते हुए 'बादल राग' शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए ।	
8.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में लिखिए।**	**02x02=04**
(क)	'उषा' कविता में कवि ने भोर के नभ को राख से लीपा, गीला चौका की संज्ञा दी है। क्यों?	
(ख)	'लक्ष्मण मूर्च्छा और राम का विलाप' कविता के आधार पर हनुमान की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।	
(ग)	'बगुलों के पंख' कविता के आधार पर उस सौन्दर्य का वर्णन कीजिए जिसने कवि के मन को मोह लिया?	

9.	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक सटीक विकल्प चुनिए।**	**05x01=05**
	ठाट देकर मन को बंद रखना पड़ता है। लोभ का यह जीतना नहीं है कि जहाँ लोभ होता है , यानी मन में जहाँ नकार हो! यह तो लोभ की ही जीत है और आदमी की हार। आँख अपनी फोड़ डाली, तब लोभनीय के दर्शन से बचे तो क्या हुआ? ऐसे क्या लोभ मिट जाएगा? और कौन कहता है कि आँख फूटने पर दिखना बंद हो जाएगा? क्या आँख बंद करके हम सपने नहीं देखते हैं? और वे सपने क्या चैन भंग नहीं करते हैं? इससे मन को बंद कर डालने की कोशिश तो अच्छी नहीं वह अकारथ है यह तो हठवाला योग है। शायद हठ ही हठ है, योग नहीं। इससे मन कृश भले हो जाए और पीला और अशक्त जैसे विद्वान का ज्ञान। वह मुक्त ऐसे नहीं होता। इससे व्यापक की जगह संकीर्ण और विराट की जगह क्षुद्र होता है। इसलिए उसका प्रेम रोम-रोम मूँदकर मन तो बंद नहीं करना चाहिए। वह मन पूर्ण कब है? इस में पूर्णता होती तो परमात्मा से अभिन्न महाशून्य ही न होते? अपूर्ण हैं, इसी से हम हैं। सच्चा ज्ञान सदा इसी अपूर्णता के बोध को हममें गहरा करता है। सच्चा कर्म सदा इस अपूर्णता की स्वीकृति साथ होता है।	
(क)	जड़ता किसे कहा गया है? I. मन में इच्छा पैदा न होना II. मन को जबरन रोकना III. मन का पवित्र होना IV. मन में कोई आकर्षण न होना	
(ख)	आँख बंद करने का परिणाम होता है - I. लोभ नष्ट होता है II. लोभ व्यर्थ होता है III. लोभ संयमित होता है IV. लोभ अंदर ही अंदर पलने लगता है।	
(ग)	निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। कथन (A) बाज़ार के जादू से बचने के लिए मन में संयम आवश्यक है। कारण (R) सिर्फ अनदेखी करने से मन का लोभ कम नहीं होता। विकल्प I. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है । II. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है। III. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) गलत है। IV. कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।	
(घ)	मन का स्वभाव कैसा है?	

	I. अपूर्ण रहना II. बैचैन रहना III. लोभी होना IV. परेशान रहना	
(ङ)	मन को दबाव देकर संयमित रखना क्या है? I. लोभ की पराजय II. लोभ की व्यर्थता III. लोभ की जीत IV. लोभ का मिट जाना	
10.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 60 शब्दों में लिखिए।**	**02x03=06**
(क)	भक्तिन का दुर्भाग्य भी कम हठी नहीं था, लेखिका ने ऐसा क्यों कहा होगा? लेखिका के इस कथन के संदर्भ में अपना विचार व्यक्त कीजिए।	
(ख)	'काले मेघा पानी दे' पाठ में भारतीय समाज की किस दुविधा तथा आडम्बर को व्यक्त किया गया है? इस पर अपने विचार व्यक्त करें।	
(ग)	कला की प्रासंगिकता व्यवस्था की मुखापेक्षी है अथवा उसका कोई स्वतंत्र मूल्य भी है? कथन की कहानी 'पहलवान की ढोलक' के आधार पर समीक्षा कीजिए।	
11.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में लिखिए।**	**02x02=04**
(क)	गाँव में महामारी फैलने और अपने बेटों के देहांत के बावजूद लुट्टन पहलवान ढोल क्यों बजाता रहा ?	
(ख)	लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत (संन्यासी) की तरह क्यों माना है? शिरीष के फूल पाठ के संदर्भ में लिखिए।	
(ग)	भारत की जाति प्रथा को आधुनिक समाज उचित नहीं मानता, क्यों? स्पष्ट कीजिए।	
12.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में लिखिए।**	**02xo5=10**
(क)	यशोधर बाबू एक ओर जहाँ बच्चों की तरक्की से खुश होते है वहीं कुछ 'समहाउ इम्प्रोपर' भी अनुभव करते हैं, ऐसा क्यों?	
(ख)	कहानी में लेखक ने क्या संदेश दिया है? क्या लेखक अपने उद्देश्य में सफल रहा है? 'जूझ' पाठ के संदर्भ में अपने विचार लिखिए।	
(ग)	मुअनजो-दड़ो से प्राप्त जानकारी के आधार पर सिंधु सभ्यता की सामाजिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।	

****